तापमान
अधिकतम 36.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि कोरबा भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार 9 जनवरी 2026

दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा

4 एसईसीएल करेगा 35 करोड़ की लागत से हेल्थकेयर स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना

खबर संक्षेप

कांग्रेस आज करेगी भाजपा का पुतला दहन

कोरबा। महिला कांग्रेस के जिला अध्यक्ष श्रीमती कुसुम द्विवेदी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा एवं महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष (राज्यसभा सांसद) फूलोदेवी नेताम के निर्देश पर 9 जनवरी को संध्या 4 बजे ओपन थियेटर घंटाघर के पास विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन का कार्यक्रम आयोजित है। महामंत्री माधुरी ध्रुव ने बताया कि उन्नाव गैंगरेप में पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि जांच में गड़बड़ी कर आरोपियों को लाभ पहुंचाने का कार्य किया गया है। इसके विरोध में महिला कांग्रेस के द्वारा विरोध प्रदर्शन के साथ - साथ भाजपा का पुतला दहन किया जाना सुनिश्चित किया गया है।

हरदीबाजार में फिर सीबीआई की दबिश

कोरबा। जिले के हरदीबाजार में एक बार फिर सीबीआई की एंट्री से हलचल तेज हो गई है। एसईसीएल क्षेत्र से जुड़े मलगांव मुआवजा प्रकरण में सीबीआई की कार्रवाई के बाद फर्जी मुआवजा लेने वाले सरकारी कर्मचारियों में खलबली मची हुई है। बुधवार सुबह हरदीबाजार थाना क्षेत्र में सीबीआई की टीम ने दबिश देकर दस्तावेजों की गहन जांच शुरू की। सूत्रों के मुताबिक एसईसीएल से गलत तरीके से मुआवजा प्रकरण तैयार कर राशि निकाले जाने की शिकायत पर यह कार्रवाई पिछले करीब एक साल से जांच के दायरे में है। सीबीआई की मौजूदा कार्रवाई के बाद कोयलांचल में अवैध तरीके से रकम बनाने वालों की चिंता बढ़ गई है।

सीएसपीजीसीएल ने पीएलएफ में हासिल किया देश में तीसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अलग खबर

छग राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के विद्युत संयंत्रों ने पीएलएफ में एक नई उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने 87.11 प्रतिशत पीएलएफ के साथ देश में तीसरा स्थान हासिल किया है। इस दौरान कंपनी के विद्युत संयंत्रों से 1840.67 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन कर एक नया कीर्तिमान रचा है।

उल्लेखनीय है कि छग राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने दिसंबर 2025 में राज्य विद्युत उपक्रमों के अंतर्गत आने वाले बिजलीघरों की समीक्षा के अनुसार छग राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी का कामकाज देश में तीसरे नंबर पर रहा है। वहीं दिसंबर 2025 में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के बिजलीघरों ने 87.11 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर के सर्वोच्च स्तर को स्पर्श किया है। 1840.67 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन का कीर्तिमान रचा गया है। छग राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के अध्यक्ष डॉ.रोहित यादव और प्रबंध निदेशक एसके कटियार ने इस उपलब्धि को शानदार टीम वर्क का परिणाम बताया है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण राज्य क्षेत्र की 33 संस्थाओं के कामकाज का मूल्यांकन करती है। इसमें राज्य विद्युत मंडल और राज्य पॉवर कंपनियां शामिल होती है। सीईए की रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ ने पंजाब, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों को पीछा छोड़ा है। वहीं ओडिशा और पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ से आगे है। बात करें दिसंबर 2025 के पीएलएफ की तो उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार विगत 15 वर्षों में एक बार ही कंपनी ने इससे अधिक पीएलएफ अर्जित किया था। बताया गया है कि पूर्व के वर्षों में भी एक ही बार 87.11 प्रतिशत से अधिक पीएलएफ अर्जित किया गया था।

सीईए की रिपोर्ट में सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा पीएलएफ

खास बातें

- विद्युत संयंत्रों से 1840 .67 मिलियन यूनिटन बिजली उत्पादन कर बनाया है रिकार्ड

संयंत्र संचालन में नगण्य व्यवधान

छग राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के इतिहास में दिसंबर में सर्वाधिक पीएलएफ अर्जित करने का यह दूसरा मौका है। यह उपलब्धि यह साबित करती है कि इस माह में विद्युत संयंत्र के संचालन में नगण्य व्यवधान उपस्थित हुआ। निर्धारित समय पर उचित रखरखाव प्रक्रिया का पालन करने से ऐसी उपलब्धियां दर्ज की जाती है।

सीएसईबी चौक से राताखार जोड़ा पुल तक चलाया गया अभियान

48 घंटे का अल्टीमेटम, बेतरतीब खड़े कंडम वाहनों की होगी जब्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

लंबे समय से शहर के टीपी नगर सहित कई मार्गों में बेतरतीब कंडम वाहन खड़े हुए हैं, जिसकी वजह से यातायात व्यवस्था लंबे समय से बाधित हो रही है। इन वाहनों को हटाने के लिए नगर निगम और पुलिस ने कई बार प्रयास किया, लेकिन प्रयास का नतीजा अब तक सिफर ही नजर आ रहा है। इस बार पुनः जिला पुलिस, नगर निगम की एक संयुक्त टीम सड़क पर उतरी है और वर्षों से खड़े इन कंडल वाहनों को हटाने के लिए नोटिस चस्पा किया गया है और उन मालिकों को वाहनों को हटाने 48 घंटे का अल्टिमेटम भी दिया गया है। यदि इसके बाद भी वाहनों को हटाने की दिशा पर मालिक पहल नहीं करते हैं तो नगर निगम व यातायात पुलिस की टीम एक्शन में नजर आएगी और सड़क किनारे कंडम वाहनों को सीधे जब्ती की कार्यवाही करेगी।

खास बात

- वर्षों से खड़े वाहनों में अल्टिमेटम का चस्पा किया गया नोटिस

वाहन में नोटिस चस्पा करते पुलिस व निगम की टीम।

उल्लेखनीय है कि उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुदुरमाल पुल के बंद हो जाने की वजह से लगातार शहर के भीतर से गुजरने वाले इंदिरा स्टेडियम, सीएसईबी चौक, राताखार मार्ग में यातायात का दबाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है और इर दिन जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। खासतौर पर सर्वमंगला, सीएसईबी मुख्यमार्ग सहित राताखार बायपास मार्ग में लंबे समय से दर्जनों टेलर सहित अन्य कंडम वाहन खड़े हुए हैं। जिसे हटाने के लिए कई ⏭ शेष पेज 3 पर

तीन ग्रामीणों के घर वन विभाग का छापा लाखों का साल व बीजा का चिरान जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कुछ ग्रामीण द्वारा साल बीजा की अवैध रूप से कटाई कर उसे चिरान बनाकर घर में ठिकाने लगाया गया था ताकि उसे समय देखकर बाजार में खपाया जा सके। लेकिन वन विभाग के अधिकारियों को जैसे ही इसकी सूचना मिली वन विभाग की एक संयुक्त टीम ने तीन ग्रामीणों के घर में दबिश दी, जहां तीनों ग्रामीणों के घर 2 लाख रूपये कीमती साल व बीजा का चिरान जब्त किया है। मामले में ग्रामीणों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत कार्यवाही की गइ्र है।

खास बात

- कोरबा वन मंडल के बालको वन परिक्षेत्र के ग्राम गढ़कटरा का मामला

जब्त की गई चीरान लकड़ी के साथ वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी।

कोरबा वनमंडल अंतर्गत बालको वन परिक्षेत्र के ग्राम गडकटरा में पेड़ों की कटाई कर साल और बीजा का चिरान बनाकर उसे भंडारित किया गया था। जैसे ही इसकी सूचना वन मंडलाधिकारी प्रेमलता यादव को मिली तो उन्होंने आरोपियों की धर पकड़ के लिए एसडीओ आशीष खेलवार के नेतृत्व में वन परिक्षेत्र अधिकारी बालको जयंत सरकार एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी पसरखेत देवदत्त खांडे द्वारा सर्च वारंट के आधार पर ग्राम गड़कटरा निवासी हरीयर सिंह पिता समारसाय के घर से बीजा साल प्रजाति के 46 नग चिरान, रामसाय पिता चमरासाय के घर से बीजा साल प्रजाति के 58 नग चिरान एवं 4 नग ⏭ शेष पेज 3 पर

गुड़-तिल-मूंगफली टेस्टी भी-हेल्दी भी

बच्चो, जाड़े के मौसम में बहुत सी हेल्दी चीजें खाने को मिल जाती हैं। जनवरी माह में मकर संक्रांति पर्व भी आता है, इस अवसर पर तिल-मूंगफली से बने व्यंजनों के खाने का एक अलग ही मजा है, जो हमारी हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। सर्दियों में और कौन-कौन सी हेल्दी-टेस्टी चीजें खाई जा सकती हैं, जो हमें फिजिकली-मेंटली फिट रखती हैं, जानो।

सीजनल डाइट
डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चो, हेल्दी डाइट से ही हमारा शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहता है। स्वस्थ आहार में बहुत-सी चीजें शामिल होती हैं, जैसे- सब्जियां, अनाज, फल, ड्राई फ्रूट्स और दूध-दही। बहुत से फूड आइटम्स भी हमारी हेल्दी डाइट का हिस्सा होते हैं। हमारे देश में तो मौसम के हिसाब से भी खान-पान तय किया गया है। तुमने देखा होगा कि घर में मौसम के बदलते ही खाने-पीने की चीजें भी बदल जाती हैं। इन दिनों जाड़े में मूंगफली, तिल और गुड़ की बनी चीजें खूब दिख रही हैं। ये ट्रेडिशनल फूड आइटम्स सर्दियों के लिए एनर्जी बूस्टर हैं। इनसे मिलने वाले पोषक तत्व, साल भर हमारे शरीर को स्वस्थ रखते हैं।

स्वास्थ्य के रक्षक

सर्दी के मौसम में खाए जाने वाले तिल-मूंगफली के पकवान बहुत न्यूट्रीशस होते हैं। ये हर एज ग्रुप के लोगों को पसंद आते हैं। इनकी तासीर यानी हमारे शरीर पर पड़ने वाला असर, गर्म होती है। जिसके चलते इनसे बनी सभी चीजें शरीर को ठंड से बचाती हैं। तिल की बने लड्डू हों या मूंगफली की चिक्की, सर्दियों में सबके साथ धूप में बैठकर या अलाव तापते हुए इन्हें खाने का मजा ही कुछ और है! ठंड से बचाव करने और सेहत बनाने वाले ये क्रंची स्नैक्स, अपनों

के साथ समय बिताने का भी अवसर देते हैं। तिल और मूंगफली में न केवल प्रोटीन बल्कि कई विटामिन और ओमेगा 6 जैसे न्यूट्रिएंट्स भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इन दोनों में ही कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व भी होते हैं। इसीलिए तिल के लड्डू खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं। ये हमारी डाइजेस्टिव हेल्थ को बेहतर रखते हैं। वहीं पीनट्स यानी मूंगफली भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। पीनट्स खाने से ब्रेन फंक्शनिंग भी सुधरती है। बच्चो, नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी में सामने आया है कि तिल और मूंगफली में हेल्दी फैट होता है। इसीलिए ठंड के मौसम में इन चीजों को जरूर खाना चाहिए। ये ठिठुराती सर्दी में खेलने-कूदने और एक्टिव रहने का एनर्जी बूस्टर डोज हैं।

मिठास का सेहतमंद साथ

बच्चो, तिल, मूंगफली को जब गुड़ का साथ मिलता है, तो ये स्वादिष्ट ही नहीं और अधिक गुणकारी भी बन जाते हैं। तिल, गुड़ और मूंगफली, ये तीनों चीजें ठंड के मौसम के लिए सुपरफूड हैं। इनसे बनी चीजें खाने में बहुत टेस्टी लगती हैं। इन्हें स्कूल के टिफिन में ले जाना भी बहुत आसान है। तिल और मूंगफली तो पौष्टिक हैं ही, गुड़ में भी आयरन, मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे कई मिनरल्स होते हैं, जो शरीर को एनर्जी और गर्माहट देने का काम करते हैं। गुड़ में विटामिन ए, सी और ई भी होते हैं। असल में गुड़ में मौजूद शुगर, सुक्रोज और फ्रक्टोज के रूप में होती है, इसलिए इसका स्वाद मीठा और तुरंत एनर्जी देने वाला होता है। यही कारण है कि गुड़ खाने से मानसिक और शारीरिक स्ट्रेस भी कम होता है। गुड़ में मिठास ही नहीं जिंक, सेलेनियम और एंटीऑक्सिडेंट्स भी होते हैं। ये ना सिर्फ हमारे शरीर को इंफेक्शन से बचाते हैं बल्कि इम्यूनिटी भी बढ़ाते हैं। तिल और मूंगफली के लड्डू, गजक, बर्फी, तिलपट्टी, तिलकुट या चिक्की बनाने के लिए गुड़ का ही इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में सर्दियों के मौसम में इन चीजों को खाना इम्यूनिटी, मूड और अपनेपन का मिठास भरा बूस्टर डोज बन जाता है।

ट्रेडिशनल टेस्ट का कमाल

बच्चो, तिल, मूंगफली और गुड़ जैसी चीजों की न्यूट्रिशनल वैल्यू को हमारे बड़े-बुजुर्ग हमेशा से समझते आए हैं। सर्दियों में आने वाले त्योहार, जैसे मकर संक्रांति और लोहड़ी पर तो खासतौर पर इन चीजों को खाया जाता है। सर्दियों में हमारे घरों में इन चीजों से पारंपरिक और पौष्टिक मिठाई बनाने का ट्रेंड रहा है। आज भी विंटर सीजन में दादी-नानी तिल के लड्डू बनाकर भी अपना प्यार जताती हैं। बच्चो, समझना जरूरी है कि तिल, मूंगफली से बनी मिठाई,

स्नैक्स का बहुत हेल्दी ऑप्शन हैं। अगर सही पोर्शन में खाया जाए तो शरीर को इनसे कोई नुकसान नहीं होता। हमारा ट्रेडिशनल खान-पान शरीर, मन और मौसम के मुताबिक बने हुए हैं। बीमारियों से बचाने और इम्यूनिटी मजबूत करने वाले देसी नुस्खों में दादी, नानी और मम्मी का स्नेह भी भरा होता है। इसीलिए सर्दियों में इन सुपर फूड्स को खूब मन से खाओ। अच्छी सेहत बनाओ। इस कमाल के ट्रेडिशनल टेस्ट के लिए दादी-नानी का मन से आभार भी जताओ। *

कैसे हुई पतंग की शुरुआत

हमारे देश में कुछ खास पर्व और अवसरों पर पतंग उड़ाने की परंपरा है। बच्चे तो पतंगबाजी को खूब एंज्वॉय करते हैं। पतंग के आविष्कार और देश-विदेश में इसके प्रचलन का किस्सा बड़ा रोचक है। जानो, पतंग और पतंगबाजी से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

जानकारी
शिवानी छाया

बच्चो, मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाने की परंपरा है। इस पर्व के अलावा हमारे देश में वसंत पंचमी, स्वतंत्रता दिवस पर भी पतंगें उड़ाई जाती हैं। गुजरात, राजस्थान, पंजाब और तेलंगाना जैसे कई राज्यों में तो पतंगोत्सव यानी काइट फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है, जिसमें देश-विदेश से आए लोग भाग लेते हैं। पतंगबाजी में बच्चे-बड़े सभी भाग लेते हैं, खूब एंज्वॉय करते हैं। बच्चो, तुम यह जानना चाहोगे कि पतंग उड़ाने की शुरुआत कब और कैसे हुई, जानो-

चीन में हुई थी शुरुआत: माना जाता है कि पतंग बनाने और उड़ाने की शुरुआत लगभग 2800 वर्ष पहले चीन के शानदोंग शहर में हुई थी। इस शुरुआत के पीछे एक रोचक किस्सा है- खेत में काम करने के दौरान एक चीनी किसान की टोपी बार-बार हवा में उड़कर इधर-उधर चली जाती थी। इससे परेशान होकर वह अपनी टोपी एक डोरी से बांधकर रखने लगा। इससे उसकी टोपी हवा में उड़ती तो थी लेकिन इधर-उधर नहीं जाती थी। बस यहीं से पतंग बनाने के आइडिया ने जन्म लिया। विभिन्न स्रोतों के अनुसार दुनिया की शुरुआती पतंगें चीन के हुआंग थेग, मोजी और लुबान ने बनाई थीं। ये पतंगें कागज की नहीं, लकड़ी और रेशम से बनी होती थीं, जिसे 'वुडन बर्ड' यानी 'लकड़ी की चिड़िया' कहा जाता था। बाद में रेशम के कपड़े, बांस आदि की सहायता से पतंगें बनाई जाने लगीं। चीन में पतंग के आविष्कार की एक वजह यह भी थी कि उस दौर में पतंग बनाने का उपयुक्त सामान, जैसे- रेशम का कपड़ा, पतंग उड़ाने के लिए मजबूत रेशम का धागा और पतंग के शेप को सहारा देने के लिए हल्का और मजबूत बांस चीन में आसानी से उपलब्ध था।

चीन में बनी शुरुआती दौर की पतंग

मनोरंजन नहीं था उद्देश्य: आज हम पतंगबाजी को एक खेल के रूप में देखते हैं, इसे मनोरंजन के लिए उड़ाते हैं। लेकिन शुरुआत में पतंग उड़ाना मनोरंजन नहीं था। पतंग का प्रयोग संदेश भेजने, हवा की गति और दिशा का पता लगाने, जासूसी जैसे उद्देश्यों के लिए किया जाता था। धीरे-धीरे उच्च और सामान्य वर्ग के लोगों की रुचि इसमे बढ़ती गई और पतंगबाजी शौक और मनोरंजन का साधन बन गई।

भारत में पतंग का प्रसार: पतंग बनाने की कला और इसे उड़ाने का शौक चीन, जापान, कोरिया, थाइलैंड जैसे देशों से होकर भारत पहुंचा। इसमें विदेशी यात्री, व्यापारी और बौद्ध भिक्षुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। देखते ही देखते पतंगबाजी भारत में काफी लोकप्रिय हो गई, यहां के पर्व-उत्सवों एवं संस्कृति का हिस्सा बन गई। आज बच्चे-बड़े सभी खुले आसमान में पतंग उड़ाते हैं, पतंग से जुड़े फेस्टिवल्स एंज्वॉय करते हैं। *

पौराणिक ग्रंथों और इतिहास में पतंग

बच्चो, मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उड़ाने को लेकर एक पौराणिक मान्यता भी है। तमिल ग्रंथ 'तंदनान रामायण' के अनुसार मकर संक्रांति के दिन पहली बार भगवान श्रीराम ने पतंग उड़ाई थी, जो इंद्रलोक तक चली गई थी। तभी से मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उड़ाने की परंपरा चली आ रही है। आधुनिक भारत के इतिहास की बात करें तो 1928 में साइमन कमीशन के विरोध में 'साइमन गो बैक' लिखे काली पतंगें उड़ाकर विरोध प्रदर्शन किया गया था। देश की आजादी के बाद उसी घटना की याद में स्वतंत्रता दिवस पर पतंग उड़ाने की परंपरा शुरू हुई।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

गोलू-दादू की दोस्ती

बच्चो, तुमको अपने दादाजी-नानाजी से बात करने, उनके संग खेलने में भी फ्रेंड वाली फीलिंग आती होगी। हाल में छपकर आई किताब 'गोलू मेरा दोस्त' में तुम एक प्यारे बच्चे गोलू और उसके दादू की दोस्ती से जुड़ी मजेदार कहानियां पढ़ सकते हो। इन नौ कहानियों में तुमको गोलू का नटखट स्वभाव, भोलापन और समझदारी देखने को मिलेगी। किसी कहानी में तुम पढ़ोगे कि गोलू के दादू, उसे बड़े प्यार से जीवन से जुड़ी उपयोगी सीख भी दे देते हैं। संग्रह की पहली कहानी 'गोलू मेरा दोस्त' में तुम पढ़ोगे कि गोलू कैसे दादू को गांव से अपने पास बुलाकर प्यारा सा सरप्राइज देता है! 'गोलू मेरा नाम' कहानी में जब तुम पढ़ोगे कि गोलू कैसे अपना नाम अभिनव के बजाय गोलू पुकारे जाने पर मुंह फुला लेता है और फिर दादू उसे उसकी गलती कुछ ऐसे समझाते हैं कि तुम हंसे बिना नहीं रहोगे। कामचोर का मतलब क्या होता है, इसका अर्थ समझने के लिए तुमको 'गोलू मस्त मोलू' कहानी पढ़नी होगी। किताब की अन्य कहानियां भी तुमको जरूर पसंद आएंगी। *

किताब : गोलू मेरा दोस्त (बाल कहानी संग्रह), **लेखक :** गोविंद शर्मा
मूल्य : 150 रुपए, **प्रकाशक :** पंचशील प्रकाशन, जयपुर

हंसगुल्ले

चिक्की : मिक्की, कल रात को सपने में मेरे पैर में कांटा चुभ गया था।
मिक्की : तुम चप्पल पहन कर सोया करो तब कांटा नहीं चुभेगा।
-खुशी, रायपुर

मिंकी (अपनी मम्मी से) : मम्मी, क्या जुबान के भी पैर होते हैं?
मम्मी : नहीं तो! क्यों?
मिंकी : तो फिर रिंकी मुझसे क्यों कहती रहती है कि तेरी जुबान बहुत चलती है?
-काम्या, भोपाल

चिंटू : बताओ, समांतर रेखाएं एक-दूसरे को क्यों नहीं काटती हैं?
मिंटू : क्योंकि उनके दांत नहीं होते।
-सुरेंद्र, रोहतक

जीके क्विज-187

1. वूमेंस टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी कौन बनी हैं?
2. भारत किस देश को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है?
3. हाल में दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय महिला का क्या नाम है?
4. महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश किस स्थान पर दिया था?
5. भारत के अंतिम गवर्नर जनरल कौन थे?
6. कोणार्क का सूर्य मंदिर किस राज्य में स्थित है?
7. गाजर में कौन-सा विटामिन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है?
8. भारत में पहली रेल किन दो स्थानों के बीच चली थी?
9. इलेक्ट्रिक आयरन को गर्म करने के लिए किस धातु का प्रयोग किया जाता है?
10. भरतनाट्यम किस राज्य की नृत्य शैली है?

बच्चों, जीके क्विज-187 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-186 का उत्तर : 1.स्मृति मंधाना, 2. 366 दिन, 3. 10 जनवरी, 4.मिजोरम, 5.मंगोलिया, 6.हाइड्रोजन, 7.माइटोकॉण्ड्रिया, 8.न्यूमिस्मेटिक्स, 9.गंगा डॉल्फिन, 10.विनय कुमार सक्सेना

जीके क्विज-186 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, आपु-रायगढ़, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, ज्योति-रायगढ़, गुंजा-रायपुर, रक्षित-बिलासपुर, अनन्या-दुर्ग, केशव-बिलासपुर, नमन-रोहतक, हर्ष-भोपाल, शिवांश-महासमुंद

कहानी
सरस्वती रमेश

मकर संक्रांति का दान

राजू को तो यही पता था, मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाकर त्योहार की खुशियां मनाई जाती हैं, लेकिन दादी ने बताया इस दिन दान दिया जाता है, जिसका एक अलग महत्व होता है। राजू को यह बात वास्तव में कितनी समझ में आई, क्या उसने मकर संक्रांति के दिन कोई दान किया?

राजू के घर आज सुबह-सुबह पूरे परिवार ने स्नान किया। फिर सबने मकर संक्रांति की पूजा की। तिल के लड्डू खाए। खाने में राजू की मम्मी ने आज स्वादिष्ट खिचड़ी बनाई थी। दोपहर में सभी लोगों ने छत पर गुनगुनी धूप में बैठकर खिचड़ी खाई। मम्मी-पापा, दादा-दादी राजू और छोटी बहन पीहू ने खिचड़ी खाई। दादी ने राजू और पीहू से पूछा, 'जानते हो बच्चो, मकर संक्रांति के दिन क्या करते हैं?'

'हां.. हां.. जानता हूं। आज के दिन मजे से पतंग उड़ाते हैं।' राजू तपाक से बोला। 'हां पतंग तो उड़ाते हैं, लेकिन इस दिन को बहुत शुभ माना जाता है। गरीब लोगों को दान भी करते हैं। आज के दिन दान करने से उसका पुण्य कई गुना बढ़ जाता है।' दादी ने बताया।

'दान क्या होता है दादी?' पीहू ने भोलेपन से पूछा।

'दान मतलब किसी गरीब को कुछ देना। कोई खाने की चीज या वस्त्र आदि।' दादी बोलीं।

'फिर तो भैया आप मुझे अपनी बड़ी वाली पतंग दान कर दो न प्लीज।' पीहू ने मचलते हुए कहा तो सब हंस पड़े।

कुछ देर बाद राजू अपने पापा और बहन के साथ घर के पास ही ग्राउंड में पतंग उड़ाने गया। आसमान में रंग-बिरंगी पतंगें उड़ रही थीं। बच्चे, बड़े सब पतंगें उड़ा रहे थे। तभी वहां एक बच्चा दिखाई दिया। वह पेड़ के पीछे खड़ा होकर सबको पतंगें उड़ाता हुआ देख रहा था। ठंड काफी थी, लेकिन उस बच्चे ने सिर्फ एक हाफ शर्ट और नेकर पहन रखी थी। राजू के पापा की नजर उस पर पड़ी तो उन्होंने पूछा, 'अरे! तुम यहां क्यों छिपे हुए हो?' 'सबको पतंगें उड़ता देख रहा हूं।' वह बच्चा बोला।

'तुम्हारी पतंग कहां है?' राजू ने उससे पूछा।

'मेरे पास नहीं है।' बच्चा उदास स्वर में बोला।

'और इतनी ठंड में तुमने स्वेटर क्यों नहीं पहन रखा है? तुम्हें ठंड नहीं लग रही क्या?' पापा को अचरज हो रहा था।

'लग रही है। स्वेटर गंदा हो गया था तो मां ने धोकर सूखने के लिए डाल रखा है।' बच्चे ने सकुचाते हुए बताया।

'तो दूसरा पहन लेते।' पास खड़ी पीहू बोली।

'दूसरा नहीं है।' लड़का धीमी आवाज में बोला।

'अच्छा तुम्हारा नाम क्या है?' पापा ने पूछा।

'मोनू।' लड़के ने बताया।

'तुम रहते कहां हो?' पापा ने जानना चाहा।

'वो सामने बस्ती में।' बच्चे ने अंगुली के इशारे से बताया।

'क्या तुम मेरे बेटे का पुराना स्वेटर ले लोगे।' पापा ने पूछा।

'मां से पूछकर बताऊंगा।' इतना कहकर वह जाने लगा तो राजू ने उसे रोक लिया।

'यह लो मेरी पतंग और मांझा, ठीक से उड़ाना।' राजू ने अपनी पतंग-मांझा उसके हाथों में पकड़ा दिया।

पतंग पाकर बच्चा खुश हो गया और दौड़ते हुए घर की ओर चला गया। राजू पापा के साथ घर लौट आया। पापा ने घर में बच्चे की बात सभी को बताई। यह भी बताया कि राजू ने उसे अपनी पतंग दे दी।

'लेकिन शाम को तो सर्दी और बढ़ जाएगी। हमें उसे गर्म कपड़े भी देने चाहिए।' मम्मी ने सुझाव दिया।

'यदि उसने पुराने कपड़े न लिए तो?' पापा बोले।

'हम उसके लिए नए कपड़े देंगे।' राजू ने कहा।

'लेकिन इतनी जल्दी नए कपड़े आएंगे कहां से?' मम्मी बोलीं।

'आपने जो मेरे लिए नया स्वेटर खरीदा है, वही उसे दे दीजिए।' राजू तुरंत बोला।

'लेकिन वो तो तुम्हारे लिए है और महंगा भी बहुत है।' दादी बोलीं।

'दादी, सुबह आपने कहा था न कि आज गरीब को दान करना चाहिए। वह गरीब बच्चा है। उसे स्वेटर देंगे आज।' राजू ने दादी को सुबह वाली बात याद दिलाई। 'जरूर बेटा, तुमने तो संक्रांति की परंपरा को ठीक से समझ लिया है। ले आओ, अपना नया वाला स्वेटर। चलो अभी चलते हैं मोनू के घर।' पापा बोले।

राजू भाग कर अपने कमरे से स्वेटर ले आया और खुशी-खुशी पापा के साथ मोनू के घर की ओर चल पड़ा। घर में दादी, मम्मी और पीहू भी यह देखकर बहुत प्रभावित और खुश थे कि दयालु राजू के कारण एक गरीब का भला होगा। *

कविता
अखिलेश श्रीवास्तव चमन

एक पर्व के इतने नाम!

छोटे से मिस्टर अयान
सोच-सोच कर हैं हैरान
तिथि एक है, पर्व एक है
लेकिन इसके इतने नाम!
दक्षिण भारत में है पोंगल
उत्तर में कहलाता खिचड़ी
असम राज्य में बिहू कहते
पंजाबी कहते हैं लोहड़ी।
मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा
में होता है मकर संक्रांति
पर पश्चिम बंगाल के अंदर
कहलाता है पौष संक्रांति।
इस दिन सूरज दिशा बदल
उत्तरी गोलार्ध में आ जाता है
रातें छोटी होने लगतीं
दिन लंबाई पा जाता है।
भुनी मूंगफली, गुड़ की पट्टी
तिल की गजक, रेवड़ी खाकर
पूरा देश मनाया करता
है यह पर्व, पतंग उड़ाकर।

रंग भरो-193

रंग भरो-193 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

रुजुला, रोहतक

आशना, जांजगीर

पयोनिधि, अंबिकापुर

आन्या, दुर्ग

लालिमा, गरियाबंद

रेयांश, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

देव्यांश-दुर्ग, दिशांत-महेंद्रगढ़, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, सुमन-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सौम्या-करनाल, रोहन-बिलासपुर, दिव्या-कोरबा, साकेत-बालोद

रंग भरो 194

बच्चो, यहां पतंग उड़ा रहे एक बच्चे का ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो: संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

भारतीय थलसेना की धमतरी में भर्ती रैली 10 से 24 तक

कोरबा। भारतीय थलसेना द्वारा माह मई-जून 2025 में ऑनलाईन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी.ई.ई.) का आयोजन किया गया था। सी.ई.ई. में उत्तीर्ण युवाओं की शारीरिक दक्षता परीक्षण एवं अन्य भर्ती प्रक्रियाओं का आयोजन 10 से 24 जनवरी तक इण्डोर स्टेडियम धमतरी में किया जा रहा है। उक्त लिखित परीक्षा (सी.ई.ई.) में कोरबा जिले से उत्तीर्ण युवाओं को आवेदित पद एवी जीडी हेतु 16 जनवरी, एवी टीडीएन हेतु 20 जनवरी और एवी टीटी, एवी सीआईके/एसकेटी, एवी पद हेतु 21 जनवरी को रैली में सम्मिलित होना निर्धारित है।

संस्था, पाठ्यक्रम परिवर्तन हेतु अवेदन कल तक

कोरबा। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा द्वारा जिले में संचालित समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों के संस्था प्रमुख व छात्रवृत्ति प्रभारी एवं विद्यार्थियों को सूचित किया गया है कि शिक्षा सत्र 2025-26 हेतु ऑनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के संस्था परिवर्तन, पाठ्यक्रम परिवर्तन, संस्था एवं पाठ्यक्रम दोनों परिवर्तन, वर्ष परिवर्तन की प्रक्रिया राज्य स्तर से प्रारंभ कर दिया गया है, जिसकी अंतिम तिथि 10 जनवरी तक निर्धारित किया गया है।

आवासीय विद्यालय में प्रवेश हेतु आवेदन 7 फरवरी तक

कोरबा। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय वर्ष 2026-27 अंतर्गत कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन जारी है। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 7 फरवरी निर्धारित है। भरे गए फॉर्म में त्रुटि सुधार की प्रक्रिया 8 से 10 फरवरी तक तथा प्रवेश परीक्षा की तिथि 1 मार्च निर्धारित है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रवेश हेतु संबंधित विकासखण्ड के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छुरीकला/लाफा पाली/पोड़ी उपरोड़ा, प्रयास आवासीय विद्यालय डिंगापुर में संपर्क कर आवेदन कर सकते हैं।

नशीले इंजेक्शन के साथ दो युवक गिरफ्तार, भेजे गए जेल

अम्बिकापुर। तकिया फिल्टर प्लांट के समीप नशीले इंजेक्शन बिक्री कर रहे दो युवकों को संभागीय आबकारी उड़नदस्ता की टीम ने गिरफ्तार किया। टीम ने युवकों के पास से 63 नग नशीले इंजेक्शन जब्त किया है। आरोपियों को न्यायालय पेश किया गया जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया है। क्षेत्र में गश्त कर रहे संभागीय आबकारी उड़नदस्ता टीम को बुधवार की शाम मुखबिर से सूचना मिला कि तकिया फिल्टर प्लांट के समीप दो युवक नशीले इंजेक्शन बिक्री कर रहा है। सूचना पर टीम ने मौके पर पहुंची तो दो संदिग्ध लड़कों को हड़बड़ाते देख रोक कर पूछताछ की। एक ने अपना नाम संतोष यादव निवासी तकिया तथा दूसरे ने अपना नाम ब्रजेश बरवा निवासी सन्ना बताया। संभागीय उड़नदस्ता की टीम ने युवकों के पास रखे बैग की तलाशी ली तो बैग से कुल 63 नग नशीले इंजेक्शन बरामद किया। टीम ने नशीले इंजेक्शन को जब्त कर युवकों को गिरफ्तार कर लिया। आज दोनों युवकों के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 सी के तहत अपराध दर्ज कर न्यायालय पेश किया जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया है।

ग्रामीण की जमीन पर कब्जा घर में घुसकर मारपीट

राजपुर। स्वयं के स्वामित्व की भूमि को जबरन कब्जा करने तथा आवेदक को जातिगत गाली गलौज, मारपीट करने एवं जान से मारने की धमकी देने के को लेकर ग्रामीण ने थाने में शिकायत की है। ग्राम कर्रा का निवासी 60 वर्षीय जोखन आ. बैजनाथ ने बताया कि उसके स्वयं के स्वामित्व की भूमि ग्राम कर्रा में स्थित है। उक्त भूमि को पप्पू सिंह द्वारा जबरन कब्जा किया जा रहा है। ग्रामीण का आरोप है कि विरोध करने पर 7 जनवरी को घर में घुसकर पप्पू सिंह ने जोखन के साथ गाली गलौज और मारपीट की। इस घटना में बुजुर्ग को गंभीर चोट आई है। ग्रामीण का कहना है कि उक्त जमीन पर पप्पू सिंह जबरन कब्जा कर रहा है जबकि न्यायालय तहसीलदार राजपुर से पप्पू सिंह यादव को बेजा कब्जा हटाने हेतु नोटिस भी जारी किया गया है। ग्रामीण ने इस मामले में जांच कर दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम गुडरूमुड़ा में 8 पहाड़ी कोरवा परिवारों को मिली सौर ऊर्जा की सौगात

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

राज्य सरकार और छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी ने अत्यंत पिछड़ी जनजाति परिवारों को आवास की सुविधा देने के साथ उनके घरों में रूफटॉप सोलर पॉवर प्लांट लगाने के लिए देश में पहली बार एक नई पहल की है। इस पहल के तहत जिले के अंतर्गत पोड़ी उपरोड़ा विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम गुडरूमुड़ा में 8 पहाड़ी कोरवा परिवारों को सौर ऊर्जा की सौगात मिल रही है। यह एक ऐसी पहल है जिससे न सिर्फ प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को सार्थक किया गया है, बल्कि विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों को घरेलू बिजली निःशुल्क मिलने देने का एक स्थायी रास्ता भी बनाया गया है।

अलग खबर

निःशुल्क मिलेगा रूफटॉप सोलर प्लांट, आवास एवं बिजली

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंद परिवारों को पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किये हैं। केन्द्र की तर्ज पर राज्य सरकार द्वारा भी रूफटॉप सोलर पॉवर प्लांट लगाने सब्सिडी दी जा रही है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत अत्यंत पिछड़ी जनजाति के परिवारों को ग्रिड के माध्यम से बिजली प्रदाय का लक्ष्य भी रखा गया है, जिससे उन्हें निरंतर बिजली प्रदाय का लाभ मिल सके। प्रधानमंत्री आवास योजना में घर बना कर देने का प्रावधान है, लेकिन सभी तरह के परिवारों को निःशुल्क बिजली कनेक्शन देने का प्रावधान नहीं है। इसके अलावा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर पेनल तथा सह उपकरण भी निःशुल्क लगाने का कोई प्रावधान किसी योजना में नहीं है। छत्तीसगढ़ में कुछ योजनाओं के अभिसरण (कन्वरजेन्स) से यह नवाचार किया गया है जिसके तहत आवास के साथ ग्रिड के माध्यम से बिजली और प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ देना सुनिश्चित हुआ है। पीएम सूर्यघर मुफ्त योजना के अंतर्गत एक किलोवाट के सोलर पॉवर प्लांट पर लगभग 60 हजार रूपये का खर्चा आता है जिसकी भरपाई डीएमएफ से की जा रही है। एक किलोवाट पर केन्द्र एवं राज्य सरकार की सब्सिडी लगभग 45 हजार रूपये होगी जो बाद में राज्य शासन में समायोजित की जायेगी और 15 हजार रूपये का व्यय डीएमएफ के माध्यम से वहन किया जायेगा। इस तरह अत्यंत पिछड़ी जनजातियों को उनके प्रधानमंत्री आवास पर निःशुल्क बिजली प्रदाय की व्यवस्था की गई है जिसमें केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी तथा जिला प्रशासन की समन्वित पहल है।

केबल आपरेटरों द्वारा तार स्वयं न हटाने पर निगम करेगा हटाने की कार्रवाई, जिम्मेदार होंगे आपरेटर

बिजली खंभों पर खींचे गए केबल तार हटाएं केबल आपरेटर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

नगर निगम द्वारा केबल आपरेटरों से कहा गया है कि वे निगम क्षेत्र में स्थापित स्ट्रीट लाईट, विद्युत खंभों में खींचे गए केबल तार को एक सप्ताह के अंदर स्वयं हटा लें, यदि उनके द्वारा केबल तार का प्रबंधन व हटाने की कार्यवाही समयसीमा में नहीं की जाती है तो निगम इन अव्यवस्थित केबल तारों के हटाने की कार्यवाही करेगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी केबल आपरेटरों की होगी।

नगर निगम द्वारा निगम क्षेत्र के मार्गो, डिवाईडरों, मुख्य व संपर्क सड़कों एवं अन्य स्थलों में विद्युत खंभों पर पोल पेंटिंग एवं रोप लाईट लगाने का कार्य किया जाना है किन्तु शहर के विभिन्न केबल आपरेटरों द्वारा केबल तारों का जाल विद्युत खंभों पर अव्यवस्थित व अनाधिकृत रूप से खींचे जाने के कारण कार्य करने में असुविधा होगी, दुर्घटना की संभावना बनेगी तथा केबल तार भी क्षतिग्रस्त होंगे। निगम द्वारा निगम क्षेत्र के सभी केबल आपरेटरों से कहा गया है कि वे स्ट्रीट लाईट, विद्युत खंभों पर अव्यवस्थित व अनाधिकृत रूप से बिछाए गए केबल तारों को एक सप्ताह के अंदर स्वयं हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें, यदि उनके द्वारा केबल तारों को स्वयं नहीं हटाया जाता है तो निगम इन केबल तारों को हटाने की कार्यवाही करेंगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी केबल आपरेटरों की होगी। निगम ने अपने क्षेत्र के समस्त केबल आपरेटरों से कहा है कि वे शीघ्र ही निगम की विद्युत शाखा में संपर्क करें तथा आवश्यक जानकारी भी उपलब्ध कराएं।

फाइल फोटो

विद्युत पोल में काफी नीचे तक लटकते है केबल

शहर के अधिकांश मार्गो, सड़कों, डिवाईडरों आदि में लगे स्ट्रीट लाईट खंभों में अव्यवस्थित केबल तारों की भरमार देखी जा सकती है, यह केबल तार विद्युत खंभों, डिवाईडरों एवं सड़क के किनारे-किनारे काफी नीचे तक लटकते रहते हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है व आने-जाने वाले वाहनों एवं आमनागरिकों को अनावश्यक रूप से असुविधा भी होती है। अव्यवस्थित व अनाधिकृत रूप से विद्युत खंभों के सहारे बिछाए गए इन केबल तारों का समुचित प्रबंधन माननीय उच्च न्यायालय द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुपालन हेतु अत्यंत जरूरी है तथा इनसे आमनागरिकों को अनावश्यक रूप से होने वाली असुविधा को दूर करने एवं शहर को केबल तारों के जाल से मुक्ति दिलाने हेतु आवश्यक भी है।

हाईकोर्ट के भी हैं निर्देश

उच्च न्यायालय बिलासपुर के द्वारा याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी.पी.आई.एल. नम्बर 3-2025 में इस संबंध में आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए हैं तथा विद्युत वितरण कम्पनी के द्वारा संधारित विद्युत खंभों में अव्यवस्थित एवं अनाधिकृत रूप से बिछाए गए केबल तार को विद्युत खंभों से अलग करने के संबंध में प्रस्तुत रिपोर्ट में कार्य की धीमी कार्यप्रगति पर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा असंतोष जाहिर किया गया है। इसके साथ ही उच्च न्यायालय द्वारा अव्यवस्थित एवं अनाधिकृत रूप से केबल तार के विद्युत खंभों से अलग करने हेतु किए गए कार्य की प्रगति के संबंध में अधीक्षण अभियंता सी.एस.पी.डी.सी.एल. बिलासपुर से अतिशीघ्र सुधार के संबंध में अनुपालन रिपोर्ट के साथ एक नया हलफनामा दायर करने के निर्देश दिए गए हैं।

आयोगों की टीम अब ग्राम स्तर तक सेवा कार्यों का करेंगी विस्तार

पत्रिका का विमोचन करते अतिथि।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन की तृतीय प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक का आयोजन 4 जनवरी को कृष्णा ग्रुप हुंडई शोरूम परिसर में संपन्न हुआ। इस बैठक में प्रदेश के कोने-कोने से आए समाज के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया और समाज सेवा को नए आयाम देने के लिए 18 विभिन्न आयोगों के माध्यम से जिला और ग्राम स्तर तक कार्ययोजना तैयार करने पर सर्वसम्मति से मुहर लगाई। संगठन के चेयरमैन एवं प्रांतीय आयोग मुख्य संयोजक अशोक मोदी ने घोषणा की कि सेवा कार्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए जिला, तहसील, विकासखंड और ग्राम स्तर पर प्रत्येक आयोग में 11-11 सदस्यों की टीम गठित की जाएगी। मंगल परिणय समिति की संयोजिका शोभा केडिया ने जानकारी दी कि संगठन द्वारा अब तक 900 से अधिक विधवा, विधुर, तलाकशुदा एवं दिव्यांगजनों का पुनर्विवाह संपन्न कराया जा चुका है। डॉ.मोहनलाल अग्रवाल, डॉ.अनिता अग्रवाल और डॉ.निर्मेश सिंघानिया ने उच्च शिक्षा ऋण, सम्मान अलंकरण और मेडिकल आयोग की आगामी योजनाओं का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि पूर्व राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने समाज की एकजुटता पर बल देते हुए संगठन के कार्यों को अनुकरणीय बताया। वहीं द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि अग्रवाल समाज सदैव सेवा और दान के कार्यों में अग्रणी रहता है। कार्यक्रम के अंत में कोरबा महापौर संजू देवी राजपूत ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया।

श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाई गई राजिम भक्तिन तेलिन माता की जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭ मड़वारानी

भगवान श्री राजीव लोचन की अनन्य भक्त, तप, त्याग एवं निष्कलंक भक्ति की प्रतिमूर्ति राजिम भक्तिन तेलिन माता जी की जयंती के पावन अवसर पर माता कर्मा सेवा समिति, कोरबा (छत्तीसगढ़) के तत्वावधान में भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में साहू समाज के साथ-साथ क्षेत्रवासियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर माता राजिम के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की।

इस अवसर पर माता राजिम की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती कर समस्त प्रदेशवासियों की सुख-शांति, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की गई। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में कहा कि राजिम भक्तिन तेलिन माता का संपूर्ण जीवन तपस्या, त्याग, सेवा और भक्ति का अनुपम उदाहरण है, जो आज भी समाज को धर्म, कर्म और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम की शुरुआत माता राजिम की पूजा-अर्चना से हुई, जिसके पश्चात भव्य आरती संपन्न कर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि भक्त शिरोमणि राजिम भक्तिन तेलिन माता का जीवन साहू समाज ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव समाज के लिए आदर्श है। उनके आशीर्वाद से समाज में सद्भाव, एकता और सेवा भावना का विस्तार हो, यही कामना की गई। इस धार्मिक आयोजन में माता कर्मा सेवा समिति के अध्यक्ष प्रेमलाल साहू, उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा साहू, संरक्षक गजानंद प्रसाद साहू, सचिव विनोद कुमार साहू, खरमोरा के पूर्व अध्यक्ष पुष्पेंद्र साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही समाजसेवी एवं सेवानिवृत्त शिक्षक बेद प्रसाद साहू, समाजसेवी राम नारायण साहू, सेवानिवृत्त आर.पी. साव, खरमोरा साहू समाज के कोषाध्यक्ष छबिलाल साहू, रामलाल साहू सहित अनेक वरिष्ठ समाजसेवी, पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

जयंती कार्यक्रम में शामिल समाज के लोग।

सरोज का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

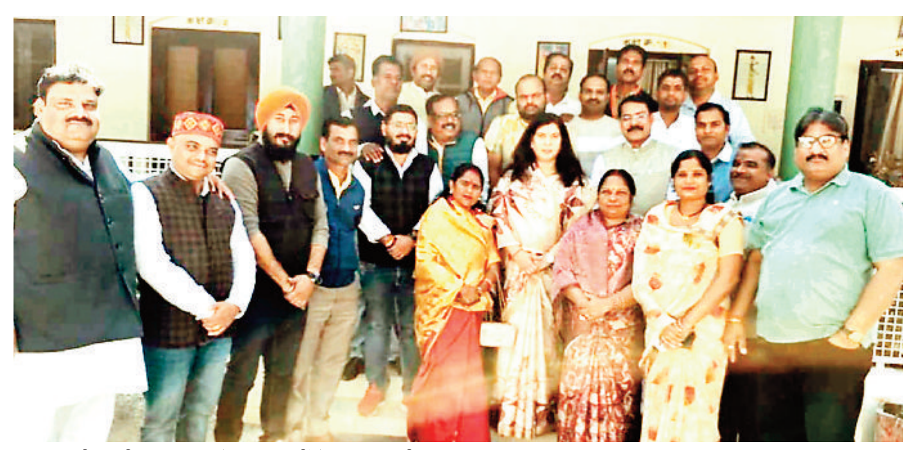

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के साथ पार्टी के पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद सरोज पाण्डेय का अम्बिकापुर प्रवास के दौरान अल्प समय के लिए कटघोरा स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आगमन हुआ उनके आगमन पर भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी एवं मण्डल अध्यक्ष अभिषेक गर्ग के नेतृत्व में बड़ी संख्या में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर सरोज पाण्डेय ने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए संगठन की मजबूती पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की पार्टी है और संगठन की शक्ति ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से समर्पण और अनुशासन के साथ संगठनात्मक कार्यों में जुटने का आह्वान किया। सरोज पाण्डेय ने आगामी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए एसआईआर पर भी गंभीरता से एवं मजबूती के साथ कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह संगठन की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाए तथा पार्टी को और अधिक सशक्त बनाए। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण में भागीदार है और आने वाले समय में संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में उनकी भूमिका निर्णायक होगी। इस दौरान कार्यक्रम में जिला महामंत्री संजय शर्मा, अजय विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष लक्की नंदा, मण्डल महामंत्री समंजित सिंह, मंडल मंत्री ड्रेक्रान्त देवांगन, उत्तरा चौहान, उपाध्यक्ष अजय धनोंदिया, स्नेहलता पटेल, कोषाध्यक्ष अविनाश केशरवानी, युवा मोर्चा महामंत्री जय गर्ग, देव दुबे, विधायक प्रतिनिधि अमित जायसवाल, राजेश गुप्ता, गोपेन्द्र पाण्डेय, श्याम मोहन जायसवाल, अनिल दुहलानी, विवेक मार्कण्डे, विनोद जैसवाल, अनुराग, तरुण देवांगन, सहित भाजपा के ज्येष्ठ श्रेष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ड्यूटी में घोर लापरवाही के आरोप में करतला थाने का आरक्षक निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

पुलिस महकमे में अनुशासनहीनता का गंभीर मामला सामने आया है। थाना करतला में पदस्थ आरक्षक को सेवा आचरण के उल्लंघन और गंभीर लापरवाही के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार 31 दिसंबर 2025 को आरक्षक को डाक वितरण के लिए कोरबा भेजा गया था। ड्यूटी पूर्ण करने के बाद वह 1 जनवरी को थाना करतला लौटे, लेकिन नियमों के अनुसार रात्रि मुकाम की सूचना न तो थाने को दी और न ही किसी वरिष्ठ अधिकारी को दी। बिना अनुमति और सूचना के पूरी रात उसके गायब रहने से मामला गंभीर हो गया। जांच में यह भी सामने आया कि आरक्षक विभागीय नियमों एवं निर्देशों से भली-भांति परिचित होने के बावजूद लगातार लापरवाही बरत रहा था। पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने इसे कर्तव्य के प्रति घोर उदासीनता, अनुशासनहीनता और स्वेच्छाचारिता माना है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने आदेश जारी कर 4 जनवरी से आरक्षक को निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान उसका मुख्यालय रिजर्व केंद्र कोरबा निर्धारित किया गया है और उसे नियमानुसार केवल जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। उनकी इस कार्यवाही पश्चात पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। विभाग की ओर से साफ संदेश दिया गया है कि ड्यूटी में लापरवाही और अनुशासनहीनता किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

तातापानी महोत्सव की तैयारियां जोरों पर, मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रामानुजगंज

जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल तातापानी में 14 से 16 जनवरी तक तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। महोत्सव की तैयारियों एवं प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने तातापानी रेस्ट हाउस में प्रेस वार्ता कर विस्तृत जानकारी दी।

कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने बताया कि तीन दिवसीय महोत्सव के दौरान यातायात व्यवस्था हेतु रूट डायवर्जन किया जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कार्य के कारण उड़ने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए नियमित पानी का छिड़काव कराया जाएगा। श्रद्धालुओं व दर्शकों की सुविधा के लिए मोबाइल टॉयलेट लगाए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि डुप्लीकेट पास बनवाने या उपयोग करने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि महोत्सव के पहले दिन 14 जनवरी को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उद्घाटन करेंगे, जिनके साथ मंत्री एवं विधायक उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर 200 जोड़ों का सामूहिक विवाह आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री द्वारा 650 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया जाएगा। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा कुल 31 स्टॉल लगाए जाएंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के संबंध में उन्होंने बताया कि पहले दिन की संध्या छत्तीसगढ़ी होगी, जिसमें पद्मश्री अनुज शर्मा अपनी प्रस्तुति देंगे। दिन में स्कूली विद्यार्थियों एवं क्षेत्रीय कलाकारों को मंच प्रदान किया जाएगा। दूसरे दिन ट्राइबल फैशन शो के साथ बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक आदित्य नारायण अपनी गायकी से समा बांधेंगे। तीसरे दिन भोजपुरी संध्या में रितेश पांडेय, खुशी कक्कड़ एवं डिंपल सिंह अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। कलेक्टर ने कहा कि तातापानी महोत्सव को लेकर प्रशासन द्वारा सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पृष्ठ 1 का शेष

48 घंटे का...

बार नगर निगम व यातायात पुलिस प्रयास कर चुकी है, लेकिन प्रयास का कोई नतीजा सामने नहीं आ रहा है। अब लगातार बढ़ते यातायात दबाव की वजह से पुलिस की परेशानी और बढ़ते ही जा रही है। क्योंकि अभी कुदुरमाल पुल पूरी तरह से तैयार होने में लंबा समय लगेगा, ऐसे में सभी भारी वाहन शहर के भीतर से ही गुजर रहे हैं। इसलिए आने वाले दिनों में बड़ी जाम की स्थिति निर्मित न हो इसके लिए पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर यातायात पुलिस व नगर निगम की टीम गुरूवार को सड़क पर नजर आई और सड़क किनारे खड़े कंडम वाहनों को हटाने के लिए वाहनों में सूचना चस्पा किया जाएगा। वाहन मालिकों को 48 घंटे का समय दिया गया है। यातायात एएसआई मनोज राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के पहले दिन लगभग 50 गाड़ियों में नोटिस चस्पा किया गया है और उन मालिकों को पुलिस ने वाहनों को हटाने अपील भी की है। यदि इसके बाद भी इन वाहनों को सड़क के किनारे से नहीं हटाया गया तो 48 घंटे के बाद नगर निगम व यातायात पुलिस की टीम सभी वाहनों को जब्त कर स्टेडियम पहुंचाएगी।

तीन ग्रामीणों के...

बीजा प्रजाति के लट्टे, आनंद सिंह पिता हरीहर सिंह के घर से बीजा/साल प्रजाति के 53 नग चिरान जब्त किए। इस दौरान भारी मात्रा में अवैध रूप से संग्रहित बीजा/साल प्रजाति की लकड़ी एवं चिरान बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान कुल 161 नग चिरान एवं लट्ठे जब्त किए गए, जिनकी कुल मात्रा लगभग 3.37 घन मीटर आंकी गई है। जब्त की गई लकड़ी का अनुमानित बाजार मूल्य 2 लाख रुपये से अधिक है। उक्त कार्रवाई बालको, पसरखेत, लेमरू एवं कोरबा परिक्षेत्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संयुक्त टीम द्वारा की गई। मामले में वन अधिनियम के तहत आगे की वैधानिक

न्यायालय तहसीलदार कटघोरा
जिला कोरबा (छ.ग.)
// ईश्तहार //

रा.प्र.क. 202512050700018
अ-27/2025-26
ग्राम कटघोरा, प.ह.नं. 10
तहसील-कटघोरा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गणेश राम पिता गनपत, निवासी ग्राम कटघोरा, तहसील-कटघोरा, जिला-कोरबा (छ.ग.) द्वारा ग्राम कटघोरा, प.ह.नं. 10, तहसील-कटघोरा, स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 1312/1 एवं 1398/1 रकबा 0.093 एवं 0.033 हे. कुल ख.नं. 02 कुल रकबा 0.126 हे. भूमि जो राजस्व अभिलेख में गणेशराम, फिरतराम पिता गनपत, ना.बा. आशुल, ना.बा. लालिमा पिता अशोक कुमार, ना.बा. बलि सविता पति अशोक कुमार, संतोष कुमार पिता बेचनराम, आनंद कुंवर, अमृता, सीता पिता बेचनराम एवं फूल बाई बेवा बेचनराम के नाम पर संयुक्त रूप से भूमिस्वामी हक की दर्ज है। आवेदक द्वारा उक्त खाते की भूमि को पूर्व आपसी बंटवारा अनुसार 1/3 हिस्सों में खाता विभाजन किये जाने हेतु छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 178 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, जो इस न्यायालय में विचाराचीन है।

उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति हो तो वह प्रकरण में सुनवाई दिनांक 27/01/2026 को न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति जो कुछ भी हो पेश कर सकते है। नियत अवधि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 08/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर लगाकर जारी किया गया।

स्थान :-कटघोरा

तहसीलदार
कटघोरा

न्यायालय तहसीलदार दीपका
जिला-कोरबा (छत्तीसगढ़)
-:: ईश्तहार ::-

रा०प्र०क..
शीर्ष-बी-121/2025-26
ग्राम बरकुटा प०ह०न०-..

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जयसिंह पिता रघुनाथ सिंह साकिन सुमेधा तहसील-दर्री जिला-कोरबा ने ग्राम बरकुटा स्थित भूमि ख0न0 11, 40/3, 46/3, 68, 76/2, 82, 88/2, 89/6, 98, 106/5, 179/3, 190/3, 192/1च, 276/1 कुल रकबा 3.63 एकड़ भूमि खातेदार अमृता बेवा गौटिन एवं जोत कुंवर बेवा गौटिन के नाम पर दर्ज होने एवं आवेदित भूमि एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र में अर्जित होने उपरांत पत्रक में अमृता पिता गौटिन एवं जोतकुंवर पिता गौटिन हो जाने के कारण उक्त त्रुटि में सुधार हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो वह स्वंय या अपने विधिक प्रतिनिधी के माध्यम से जो कुछ भी हो तो वह दिनांक 12/01/2026 तक प्रस्तुत कर सकते हैं नियत तिथी के उपरांत प्राप्त दावा या आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय का मुहर लगाकर जारी किया जाता है।

तहसीलदार
दीपका

खबर संक्षेप

मनरेगा नाम परिवर्तन को लेकर कांग्रेस का धरना 11 को

कोरबा। केंद्र सरकार के द्वारा मनरेगा का नाम परिवर्तन किए जाने पर कांग्रेसी आक्रोशित हैं। उनके द्वारा पूरे क्षेत्र में जन जागरण अभियान चलाने का कार्यक्रम बनाया गया है। जिले में 11 जनवरी को धरना दिया जाएगा, जिसकी तैयारी कांग्रेस के जिला ग्रामीण अध्यक्ष मनोज चौहान व शहर अध्यक्ष मुकेश राठौर के द्वारा की जा रही है। इनका कहना है कि कांग्रेस सरकार ने मजदूरों को आगे बढ़ाने के लिए मनरेगा शुरू किया था। अब मनरेगा के नाम को बदल दिया गया है। जब से भाजपा की सरकार आई है तब से लगातार योजनाओं के नामों में परिवर्तन हो रहे हैं। मनरेगा को लेकर पिछले दिनों छुरी में भी एक बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें सांसद प्रतिनिधि अशोक देवांगन, ब्लॉक अध्यक्ष गोरेलाल यादव, युवक कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री लक्ष्मी कंवर सहित अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे। 11 जनवरी को होने वाले धरना कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष दिलीप सिंह,विशाल शुक्ला, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष प्रभा तंवर, महामंत्री भुवनेश्वरी दास, युवा कांग्रेस के रहमान खान, सद्दाम, कुणाल आजाद सहित अनेकों कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

पीएम श्री स्कूल के 57 छात्राओं को मिली साइकिलें

बांकीमोंगरा। शिक्षा को सुगम बनाने और छात्राओं के उत्साहवर्धन हेतु शासन की निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत बांकीमोंगरा में एक गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय हाईस्कूल बांकीमोंगरा में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद बांकीमोंगरा की अध्यक्ष श्रीमती सोनी विकास झा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर बच्चों को साइकिलें प्रदान कीं। कक्षा 9वीं के कुल 57 छात्राओं को नई साइकिलें वितरित की गईं। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ने और भविष्य में ऊंचा मुकाम हासिल करने की प्रेरणा दी। साइकिल सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि बच्चों के लिए स्कूल पहुंचने का वो साधन है जो उनके समय की बचत करेगा और उन्हें शिक्षा के प्रति और अधिक प्रोत्साहित करेगा। हमारी सरकार निरंतर शिक्षा के स्तर को सुधारने का प्रयास कर रही है। साइकिल पाकर कक्षा 9वीं के छात्राओं के चेहरे खिल उठे। स्कूल के शिक्षकों और प्राचार्य ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता विकास झा, भाजपा मंडल अध्यक्ष उदय शर्मा, पार्षद प्रमोद सोना, लोकनाथ सिंह तंवर, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अजीत कैवर्त, प्राचार्य एस.डिडोरे सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, पालक गण, शिक्षक- शिक्षिकाएं , छात्र - छात्राएं और गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

नवपदस्थ थाना प्रभारी से पत्रकारों ने की सौजन्य मुलाकात

कुसमुण्डा। कुसमुंडा थाना में थाना प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पांडे ने पद प्रभार ग्रहण कर लिया। इस दौरान कुसमुंडा क्षेत्र के पत्रकारों ने उनसे सौजन्य मुलाकात की। जहां कुसमुंडा क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। पत्रकारों के सवाल पर निरीक्षक मृत्युंजय पांडेय ने बताया कि वे क्षेत्र में शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने कार्य करेंगे,शांति भंग करने वाले असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्यवाही की जावेगी। थाना प्रभारी से भेंट मुलाकात में इस दौरान ओम गवेल, नागेंद्र विश्वकर्मा, गुरदीप सिंह,मनीष महंत, जितेंद्र साहू, नरेश महंत,ओमकार यादव,कुलदीप साहू,कुलदीप मिरी उपस्थित रहें।

एसईसीएल करेगा 35 करोड़ की लागत से हेल्थकेयर स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अलग खबर

राज्य के कोल बेल्ट में स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगारपरक कौशल विकास को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने श्री सत्य साईं हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर 7 जनवरी को हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत नवा रायपुर छत्तीसगढ़ में 35.04 करोड़ की लागत से एक आधुनिक हेल्थकेयर स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की जाएगी। यह परियोजना एसईसीएल की कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के अंतर्गत संचालित होगी।

यह संस्थान सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित युवाओं को निःशुल्क और रोजगारोन्मुख स्वास्थ्य प्रशिक्षण प्रदान करेगा। यहां नर्सिंग असिस्टेंट, मेडिकल टेक्नीशियन तथा अन्य सहयोगी स्वास्थ्य क्षेत्रों में कौशल विकास किया जाएगा, जिससे न केवल युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ेगी बल्कि ग्रामीण और कोयला प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी। प्रस्तावित परिसर में शैक्षणिक भवन, छात्रावास, स्टाफ आवास एवं अन्य आवश्यक अधोसंरचनाएं विकसित की जाएंगी। एसईसीएल के परिचालन जिलों के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। अगले 25 वर्षों तक प्रतिवर्ष प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों में से कम से कम 20 प्रतिशत सीटें इन्हीं जिलों के लिए आरक्षित रहेंगी, जिसे प्रदर्शन के आधार पर आगे बढ़ाया जा सकेगा। यह एमओयू एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास की उपस्थिति में संपन्न हुआ। समझौते पर एसईसीएल की ओर से महाप्रबंधक (सीएसआर) सीएम वर्मा तथा श्री सत्य साईं हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के ट्रस्टी विवेक नारायण गौर ने हस्ताक्षर किए। एसईसीएल और श्री सत्य साईं ट्रस्ट पहले से ही एसईसीएल की धड़कन स्वास्थ्य पहल के अंतर्गत साझेदारी कर रहे हैं, जिसके तहत जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की निःशुल्क सर्जरी कराई जा रही है। इस योजना के अंतर्गत अब तक 180 से अधिक सफल जीवनरक्षक सर्जरी की जा चुकी हैं, जिससे कोयला क्षेत्रों के कई जरूरतमंद परिवारों को राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि एसईसीएल ने छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, अधोसंरचना और सामुदायिक कल्याण के लिए अब तक 850 करोड़ से अधिक की राशि सीएसआर के तहत व्यय की है।

श्री सत्य साई ट्रस्ट के साथ की साझेदारी

खास बातें

- सामाजिक आर्थिक रूप से वंचित युवाओं को नि :शुल्क और रोजगारोन्मुखी स्वास्थ्य प्रशिक्षण मिलेगा

राज्य खाद्य आयोग अध्यक्ष द्वारा जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा

उचित मूल्य दुकानों, आंगनबाड़ी केंद्रों व विद्यालयों में मिली अनियमितताओं पर कार्रवाई के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बैठक लेते आयोग के अध्यक्ष।

छग राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने जिले में प्रवास के दौरान कलेक्ट्रेट स्थित सभाकक्ष में सार्वजनिक वितरण प्रणाली, पूरक पोषण आहार योजना, मध्यान्ह भोजन योजना तथा शासकीय आश्रम एवं छात्रावासों को बीपीएल दर पर प्रदाय खाद्यान्न की व्यापक समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कोरबा जिले में ई-केवाईसी हेतु शेष लगभग 92 हजार सदस्यों को पूर्ण कराने विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। अध्यक्ष ने उचित मूल्य दुकानों के नियमित संचालन, स्टॉक मिलान तथा सभी संचालकों के प्रदर्शन की अनिवार्यता पर जोर दिया।

पूरक पोषण आहार योजना के संबंध में पोषण ट्रैकर में दर्ज बच्चों का पुनः परीक्षण करने, आंगनबाड़ी केंद्रों में सभी अनिवार्य सूचनाओं के प्रदर्शन और उपलब्ध बर्तनों के स्टॉक को अद्यतन करने के निर्देश दिए गए। सभी स्कूलों में मध्यान्ह भोजन अंतर्गत प्रति डाइट खाद्यान्न, दाल और सब्जी की मात्रा का स्पष्ट प्रदर्शन तथा प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। शासकीय आश्रम एवं छात्रावासों में फोर्टिफाइड चावल पकाने की विधि का पालन, प्रति छात्र खाद्यान्न की पात्रता की जानकारी तथा खाद्य विभाग के कॉल सेंटर नंबर का प्रदर्शित होना अनिवार्य करने की हिदायतें दी गईं। समीक्षा बैठक के पूर्व आयोग के दल ने उचित मूल्य दुकानों कुकरीचोली, मसान और उरगा का निरीक्षण किया। ग्राम मसान में चावल स्टॉक में कमी पाए जाने पर एजेंसी के विरुद्ध कार्यवाही की अनुशंसा की गई। ग्राम उरगा की दुकान निरीक्षण के दौरान बंद मिलने पर संचालक के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। आंगनबाड़ी केंद्र भैसमा और सेमीपाली क्रमांक-2, उरगा के निरीक्षण के दौरान उरगा केंद्र की कार्यकर्ता की अनुपस्थिति तथा आवश्यक सूचनाओं के अभाव पर अध्यक्ष ने अप्रसन्नता व्यक्त की। उरगा केंद्र में बच्चों की अनुपस्थिति पर भी नाराज़गी जताई गई। भैसमा स्थित आश्रम/छात्रावास के निरीक्षण में अध्यक्ष ने प्रति छात्र निर्धारित डाइट के अनुरूप खाद्यान्न, दाल, तेल के उपयोग और फोर्टिफाइड चावल की सही विधि से पकाने के निर्देश दिए। अपर प्राइमरी स्कूल मसान में अध्यक्ष ने बच्चों के साथ मध्यान्ह भोजन में चावल, दाल और आलू-केला की सब्जी का स्वाद चखा और भोजन की गुणवत्ता को बेहतर बताया। जिला मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिनेश नाग, सदस्य सचिव राज्य खाद्य आयोग राजीव कुमार जायसवाल, खाद्य अधिकारी घनश्याम सिंह कंवर, सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग श्रीकांत कसेर, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास जी. डी. सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी टी. के. उपाध्याय, जिला प्रबंधक नान प्रमोद जांगड़े सहित सभी सहायक खाद्य अधिकारी एवं निरीक्षक उपस्थित रहे।

पत्नी के हत्यारे को आजीवन कारावास

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एक युवक ने एक साल पूर्व अपनी दूसरी पत्नी की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में आरोपी के खिलाफ दोष सिद्ध होने पर न्यायालय ने उसे आजीवन कारावास व 100 रूपये अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया है। अतिरिक्त लोक अभियोजक कृष्ण कुमार द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि रजगामार चौकी क्षेत्र अंतर्गत निवासरत गोमा केरकेट्टा पिता चूका केरकेट्टा 32 वर्ष ने ओमपुर के मकान नंबर 763 में निवासरत सीमा पटेल को अपनी दूसरी पत्नी बनाया था और 27 फरवरी 2025 को किसी बात को लेकर नाराज गोमा केरकेट्टा ने अपनी पत्नी सीमा पटेल पर टांकी से हमला कर मौत के घाट उतार दिया था। मामले में पुलिस ने गोमा केरकेट्टा के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर मामले को तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार नंदे के न्यायालय में पेश किया था। जहां मामले की सुनवाई हुई और गोमा केरकेट्टा के खिलाफ दोष सिद्ध होने पर उसे आजीवन कारावास व 100 रूपये अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया गया है। मामले में अभियोजन की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजन कृष्ण कुमार द्विवेदी ने पैरवी की।

यात्री प्रतीक्षालय में अज्ञात व्यक्ति का मिला शव

कोरबा। कटघोरा क्षेत्र अंतर्गत दीपक में एक अज्ञात ग्रामीण की ठंड के कारण मृत्यु होने की जानकारी सामने आई है। मृतक के विषय में और जानकारी हासिल की जा रही है। कटघोरा क्षेत्र के कसाई पाली ग्राम में निर्मित यात्री प्रतीक्षालय में एक व्यक्ति मृत हालत में मिला। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस अज्ञात व्यक्ति की मृत्यु ठंड के कारण हुई है। दीपका पुलिस मृतक के विषय में जानकारी हासिल करने का प्रयत्न कर रही है।

सूने मकान का ताला तोड़कर जेवरात की चोरी, जुर्म दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एक सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने सोने चांदी के जेवरात सहित लाखों का माल पार कर दिया है। मामले की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चारों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच शुरू कर दी है। करतला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बताती निवासी संजय एक्का पिता कुलदीप एक्का ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है कि 7 जनवरी को उसके बड़े पिता फुलजेंस एक्का के घर अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर घर में रखे आलमारी से सोने का सिक्का, सोने का मंगलसूत्र, सोने का चैन, सोने का अंगूठी, सोने की बाली सहित अन्य सामनों की चोरी कर ली है। मामले की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इसी तरह चोरी की दूसरी घटना कटघोरा थाना क्षेत्र के रजकम्मा में घटित हुई है। यहां निवासरत प्रभारी प्रचार्य ने लिखित शिकायत दर्ज करायी है कि 31 दिसंबर 2025 को स्कूल में पढने वाले बच्चे स्कुल में चोरी होने की सूचना दी। प्राचार्य जब स्कूल पहुंचे और उनके साथ विनोद कुमार जायसवाल स्कूल पहुंचे। 30 दिसंबर की रात अज्ञात चोरों द्वारा स्कूल के पीछे के गेट के ताला को तोड़कर अंदर प्रवेश कर अन्य कमरों के ताला को तोड़कर एक एलईडी टीवी 42 इंच, चार सीसीटीवी कैमरा, एक नग सायकल एवं खेल सामाग्रीय का कीट बैंग जुमला कीमती करीब 47 हजार रूपये की अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली।

दूसरी युवती से पति करता था बात, नव विवाहिता ने फांसी लगाकर कर ली खुदकुशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

खास बात

- बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र के सेंद्री दफाई सुराकछार का मामला

एक युवक एक्सर मोबाइल पर दूसरी युवती से बातचीत किया करता था। जब उसकी हरकतों के बारे में उसकी नव विवाहिता पत्नी को पता चला तो उसने ऐसा न करने के लिए बार बार विनती करती रही, लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया, बल्कि अपनी पत्नी के साथ मारपीट भी किया करता था। इससे परेशान होकर नवविवाहिता ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। पुलिस ने मामले में वैधानिक कार्यवाही कर शव को परिजनों के सुपूर्द कर दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सेंद्री दफाई छुराकछार निवासी दयाल रत्नाकर की शादी जिला जांजगीर चांपा निवासी रानी नत्नाकर से वर्ष 2021 में हुई थी। दोनों के दो बच्चे भी हैं। बताया जाता है कि दयाल रत्नाकर पिछले लंबे समय से नैला में निवासरत एक युवती से फोन पर बातचीत किया करता था। जब इसकी जानकारी दयाल की पत्नी रानी को लगी तो उसने अपने पति दयाल को फटकार भी लगाई थी और इसे लेकर दोनों के बीच कई बार मारपीट की घटना भी सामने आई थी। बताया जाता है कि बुधवार को पुनः इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई और रानी ने अपने पति दयाल का मोबाइल फोन अपने पास रख लिया था, जिसके बाद जब दयाल अपने घर पहुंचा तो मोबाइल फोन अपनी पत्नी रानी से डिमांड की तो इसी बात को लेकर फिर से दोनों के बीच वाद विवाद हुआ था और रात को विवाद के उपरांत दयाल घर से कहीं चला गया। जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसकी पत्नी रानी फांसी के फंदे पर झूल रही थी, जिसके उपरांत उसे आनन फानन में फंदे से उताकर उपचार के लिए मेडिकल हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर शव को परिजनों के सुपूर्द कर दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

भूविस्थापितों का महासम्मेलन 12 को, एमपी व छग के प्रतिनिधि होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अंतर्गत आने वाले छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के भूविस्थापितों और प्रभावित ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण राज्य स्तरीय चर्चा बैठक सह नव वर्ष सम्मेलन का आयोजन 12 जनवरी को किया जा रहा है यह सम्मेलन जिले के गेवरा क्षेत्र स्थित नराईबोध भूविस्थापित भवन में सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा।

ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति के बैनर तले आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य रोजगार उचित मुआवजा पुनर्वास और बुनियादी सुविधाओं जैसी जायज मांगों को लेकर चल रहे संघर्ष को और अधिक मजबूत बनाना है समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि एसईसीएल प्रबंधन और प्रशासन के साथ होने वाली आगामी वार्ताओं और कानूनी लड़ाइयों के लिए एक ठोस कार्ययोजना और साझा प्रस्ताव तैयार करना समय की मांग है। एसईसीएल के सीएमडी और बोर्ड मेंबर्स के सीधी वार्ता का आयोजन कर उनके समक्ष रखे जाने वाले प्रमुख मांगों में लंबित प्रकरणों रोजगार और पुनर्वास की समस्याओं पर सामूहिक रणनीति बनाना, आगामी दिनों में बिलासपुर मुख्यालय कोल इंडिया कोलकाता और कोयला मंत्रालय नई दिल्ली में बड़े आंदोलन की रूपरेखा तैयार करना, भूविस्थापितों के हितों की रक्षा के लिए चर्चा हेतु सक्षम प्रतिनिधियों का चुनाव शामिल है। इस महासम्मेलन में छत्तीसगढ़ के गेवरा दीपका कुसमुंडा कोरबा रायगढ़ बैकुंठपुर विश्रामपुर भटगांव चिरमिरी और हसदेव क्षेत्रों के साथ-साथ मध्य प्रदेश के सोहागपुर और जमुना-कोतमा क्षेत्र के प्रभावित ग्रामीण और किसान नेता बड़ी संख्या में जुटेंगे।

सूत सारथी समाज की बैठक 11 को

कोरबा। सूत सारथी समाज वनांचल क्षेत्र महा सम्मेलन एवं महर्षि सूत महाराज जयंती ग्राम बेहरचुवा में 11 जनवरी को महर्षि सूत जी महाराज जयंती एवं एक दिवसीय वनांचल क्षेत्र कोरबा ब्लॉक एवं करतला ब्लॉक का सम्मेलन आयोजन किया गया है, जिसमें कोरबा शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के समाज के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने आग्रह किया गया है।

ऑनलाइन अटेंडेंस व्यवस्था से बढ़ी कार्यालयीन अनुशासन और पारदर्शिता

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

खास बात

- कलेक्टोरेट के सभी विभागों में समय पालन का दिख रहा असर

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 1 जनवरी से समस्त शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए आधार आधारित ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य किए जाने के बाद जिले के सभी कार्यालयों में उल्लेखनीय सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। कलेक्ट्रेट में स्वयं कलेक्टर कुणाल दुदावत प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से पूर्व ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कर कार्यालय पहुंच रहे हैं। कलेक्टर के समयपालन का प्रत्यक्ष प्रभाव अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों पर भी दिखाई दे रहा है और अब अधिकांश कर्मचारी समय से पूर्व कार्यालय पहुंचने लगे हैं।

ऑनलाइन उपस्थिति सिस्टम के लागू होने के बाद विभागीय कार्यों में निर्धारित समय पर गति आने लगी है। अधिकारियों-कर्मचारियों को कार्यालय आने एवं जानेकृदोनों समय अपनी उपस्थिति मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से दर्ज करानी अनिवार्य कर दी गई है। कार्यालयों के निर्धारित लोकेशन को आधार बेस सिस्टम में फीड किया गया है, जिससे उपस्थिति केवल कार्यालय परिसर के आसपास रहते हुए ही लगाई जा सकती है। इससे अनाधिकृत अनुपस्थिति, देरी से आने तथा समय पूर्व कार्यालय छोड़ने जैसी समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण हुआ है। शासन की इस पारदर्शी व्यवस्था की सर्वत्र सराहना हो रही है। आम नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों की यह प्रमुख शिकायत रहती थी कि कर्मचारी समय पर उपस्थित नहीं रहते और कई अधिकारी दौरे के नाम पर कार्यालय से अनुपस्थित पाए जाते हैं। ऑनलाइन अटेंडेंस के चलते अब ऐसी शिकायतों में भी स्पष्ट कमी आई है और कार्य संस्कृति में सकारात्मक सुधार देखा जा रहा है।